संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की की वार्षिक गृह पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का 25वां संस्करण सुधी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है।

निदेशक महोदय के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन तथा विद्वत लेखकों के सहयोग के फलस्वरूप आज हम इस अंक को अपने सम्मानित पाठकों को सौंपने में सफल हो पाए हैं।

इस अंक के लिए जिन प्रबुद्ध रचनाकारों ने अपने लेख देकर पत्रिका के प्रकाशन में हमें सहयोग दिया है हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

हमें आशा है कि ''प्रवाहिनी'' का यह अंक समस्त सुधी पाठकों को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी लगेगा। पत्रिका की साज–सज्जा तथा सामग्री इत्यादि में अपेक्षित सुधार हेतु आपके सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

(संपादक मंडल)